सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 63 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 8 अप्रैल, 2026

आपकी कीमत इसमें है कि आप क्या हैं, इसमें नहीं कि आपके पास क्या है।
-थॉमस ए. एडीसन

अपनी पहली जीत की तलाश में उतरेंगे... 7 | तमिलनाडु में विस का चुनावी मंच... 3 | भाजपा की बेईमानी और साजिश... 2

खुद को दोहराता इतिहास

टूटेगा 4PM पर पाबंदी का ताला

» घबरा गयी सरकार, नहीं बन पड़ रहा कोर्ट में देते जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार इतिहास अपने आप में एक बार फिर दोहराता हुआ दिखायी दे रहा है। आज 4PM पर सरकारी तालाबंदी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एडवोकेट कपिल सिब्बल की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 14 अप्रैल तय कर दी है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि चैनल पर पाबंदी लगायी गयी हो। इससे पूर्व में भी 4PM न्यूज चैनल को इसी तरह अचानक ब्लाक कर दिया गया था और तब भी मामला अदालत तक पहुंचा था। तब भी सरकार के फैसले पर सवाल उठे थे और तब भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद चैनल बहाल हुआ था।

आज अदालत में सिर्फ कानूनी दलीलें नहीं चलीं बल्कि सिस्टम की कार्यशैली पर ही सवाल खड़े हो गए। 4PM संपादक संजय शर्मा याचिकाकर्ता की तरफ से देश के दिग्गज वकील कपिल सिब्बल, हैदर रिजवी और तल्हा अब्दुल रहमान ने मोर्चा संभाला। इन वकीलों ने अदालत के सामने जो तस्वीर रखी वह चौंकाने वाली थी। चैनल को बिना कारण बताए ब्लाक कर दिया गया। चैनल को ब्लाक करने के लिए कोई लिखित आदेश नहीं दिया गया और 26 वीडियो भी उसी दिन हटा दिए गए।

दिल्ली हाईकोर्ट का सरकार को नोटिस, 14 अप्रैल को सुनवाई

कपिल सिब्बल

"कपिल सिब्बल की गुगली में फंस गया सिस्टम"

तल्हा अब्दुल रहमान

हैदर रिजवी

लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी?

यह मामला अब सिर्फ 4PM न्यूज का नहीं रहा यह सीधे-सीधे उस हर आवाज का मामला बन चुका है जो इंटरनेट पर सवाल पूछने की हिम्मत रखती है। दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई ने इस पूरे विवाद को एक नई दिशा दे दी है जहां सवाल सिर्फ क्यों ब्लाक किया गया का नहीं बल्कि क्या बिना जवाब दिए भी किसी को चुप कराया जा सकता है का है। यह हर उस व्यक्ति का मामला है जो इंटरनेट पर सवाल पूछता है। सोचिए अगर एक स्थापित चैनल को बिना ठोस वजह सार्वजनिक किए लीगल प्रोसेस के नाम पर बंद किया जा सकता है तो एक आम यूजर एक छोटा क्रिएटर या एक स्वतंत्र पत्रकार किस भरोसे पर अपनी बात रखेगा? यही वह बिंदु है जहां यह मामला लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बन जाता है। अगर बिना कारण बताए चैनल ब्लाक हो सकता है तो कल कोई भी आवाज चुप कराई जा सकती है। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि जिस मटेरियल के आधार पर कार्रवाई हुई वही आज तक पर्दे के पीछे है। न पारदर्शिता न जवाबदेही सिर्फ कार्रवाई। यह वही रास्ता है जहां कानून का इस्तेमाल सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि नियंत्रण के लिए होता दिखायी दे रहा है।

National

लोकतंत्र की बुनियाद से जुड़ा है पूरा मामला

दिल्ली हाईकोर्ट में आज सुनवाई के दौरान जज साहब ने सीधे सरकार से जवाब तलब किया। आखिर किस आधार पर एक पूरे चैनल को ब्लाक कर दिया गया। जज साहब ने पूछा कि चैनल पर कार्रवाई करते समय क्या नोटिस जारी किया गया जवाब न में मिला। कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी करने के आदेश देते हुए अगली सुनवाई की तारीख 14 अप्रैल निर्धारित कर दी। अब 14 अप्रैल को फैसला सिर्फ एक चैनल का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की नीयत का भी होगा। इतिहास जैसे खुद को दोहरा रहा है। 4PM न्यूज चैनल पहले भी इसी तरह अचानक बंद किया गया था और तब भी अदालत की दखल के बाद ही चैनल फिर से सांस ले पाया था। आज फिर वही कहानी वही सन्नाटा, वही सवाल। सरकार ने जिस आधार पर चैनल को बंद करने का फैसला लिया है सरकार उसी आधार को कोर्ट में नहीं बता पायी। और यहीं पर अदालत का रुख बदल गया। यह सिर्फ ब्लाकिंग नहीं रही यह पारदर्शिता बनाम ताकत की लड़ाई बन गई। आज वकीलों ने सिर्फ दलील नहीं दी बल्कि सरकार की प्रक्रिया को आईना भी दिखाने का काम किया। कपिल सिब्बल की दलीलों की धार एस. एम. हैदर रिजवी की सटीक पकड़ और तल्हा अब्दुल रहमान की कानूनी बारीकियों ने मिलकर पूरा केस एक तकनीकी विवाद से निकालकर संवैधानिक बहस में बदल दिया। यदि आज की कार्रवाई को सीधे शब्दों में कहें तो वकीलों ने अदालत को यह एहसास दिलाया कि मामला छोटा नहीं है यह लोकतंत्र की बुनियाद से जुड़ा है।

एक संपादक का दर्द लड़ाई का एलान

4PM न्यूज चैनल के संपादक संजय शर्मा के अथक परिश्रम से वजूद में आये 4PM न्यूज चैनल के लाखों सब्सक्राइबर और फालोवर है जो चैनल को सुनते और समझते हैं। 4PM की विश्वसनीयत इसी बात से समझी जा सकती है कि यह देश का नम्बर एक चैनल है। संजय शर्मा ने सरकार के इस हिटलरशाही रवैये से लड़ने का ऐलान कर दिया है। उनका आज का लाइव शो कोई औपचारिक बयान जैसा नहीं था बल्कि सीधे सिस्टम को चुनौती देने वाला खुला संदेश था। संपादक संजय शर्मा ने साफ शब्दों में कहा कि उनका चैनल किसी गलती की वजह से नहीं बल्कि सवाल पूछने की वजह से बंद किया गया। उनका दावा है कि उन्होंने हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा का सम्मान किया लेकिन सरकार से जवाब मांगना उनका अधिकार भी है और जिम्मेदारी भी। लाइव शो में उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें चैनल ब्लाक होने की जानकारी सीधे सरकार से नहीं बल्कि यूटयूब के जरिए मिली। यानी जिस पर कार्रवाई हुई उसे ही आधिकारिक रूप से कारण तक नहीं बताया गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई कटेंट गलत था तो उसे हटाया जा सकता था लेकिन पूरे चैनल को ब्लाक करना सीधा हमला है। यह सिर्फ प्लेटफार्म को बंद करना नहीं बल्कि लाखों दर्शकों तक पहुंचने वाली आवाज को खत्म करना है।

भाजपा की बेईमानी और साजिश होगी फेल: अखिलेश

बोले सपा प्रमुख-बंगाल की जनता ममता बनर्जी को फिर जिताएगी, पूर्व यूपी सीएम ने चुनाव आयोग पर भी तीखे प्रहार किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की जीत का भरोसा जताया और उत्तर प्रदेश की चुनावी मशीनरी पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। अखिलेश यादव ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए।

अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जीत का फिर दावा करते हुए कहा कि भाजपा लाख कोशिश, बेईमानी और साज़िश कर ले, उसके बावजूद बंगाल की जनता उसे हराएगी। यादव ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के आधार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब 11 से आबादी बढ़ गई है तो आधी आबादी और बढ़ गई होगी, तो जो आज की जनसंख्या है उस पर आरक्षण की बात होनी चाहिए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लेकर अंदेशा जताते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञानेश अब और बेईमानी करेंगे तथा उत्तर प्रदेश के चुनाव में निर्वाचन आयोग और बेइमानी करेगा। उन्होंने आयोग को निशाना बनाते हुए दावा किया कि वह मतदाता समावेशन सुनिश्चित करने के अपने कर्तव्य में विफल रहा है। उन्होंने कहा, मतदाताओं को जोड़ना निर्वाचन आयोग का काम है, लेकिन ऐसा पहली बार लग रहा है कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को हटाने पर केंद्रित है।

भाजपा सरकार हताश और निराश

सपा के जिला प्रवक्ता, अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी सरकार की हताशा और निराशा का प्रमाण है। उन्होंने कहा, दीपक बुझने से पहले कई रूपों में नजर आता है। भारतीय जनता पार्टी का दीपक बुझने वाला है। भाजपा की सरकार को इस बात का एहसास हो चुका है कि अब उनकी वापसी नहीं होने वाली है इसलिए उनके वह तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है। जनता सब समझती है। उधर, अमेठी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रवि सिंह ने कहा कि ऐसे पोस्टर लगाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम को भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है और चुनाव के बाद स्थिति और खराब हो जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाने पर उन्होंने कहा,उस समय (17) शिक्षामित्रों ने हमारा साथ दिया होता तो आज उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार होती और शिक्षामित्रों के पास सरकारी नौकरी होती। भविष्य में भी अगर उन्हें कोई न्याय दिला सकता है तो समाजवादी सरकार है।

लखनऊ में लगे पोस्टर पर मचा बवाल, सपा ने फाड़े

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को निशाना बनाते हुए बॉलीवु फिल्म धुरंधर से प्रेरित पोस्टर लखनऊ और अमेठी के कुछ हिस्सों में लगाए गए हैं। इन आपत्तिजनक पोस्टरों को लेकर सपा ने प्रदर्शन किया और उन्हें फाड़ा। बता दें लगाए गए पोस्टरों पर नारा लिखा है, आपको क्या चाहिए? अखिलेश का ल्यारी राज? ल्यारी का संदर्भ पाकिस्तान के कराची शहर के एक इलाके से है, जो कभी गिरोह हिंसा के लिए कुख्यात था और जिसका जिक्र फिल्म में भी किया गया है। ऐसा लगता है कि इस संदेश का उद्देश्य उस इलाके की छवि और समाजवादी पार्टी के नेता के कार्यकाल के बीच तुलना करना है। होर्डिंग पर यूथ अगेंस्ट माफिया नामक संगठन का नाम भी प्रमुखता से अंकित है, साथ ही संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष, महामंत्री और प्रतापगढ़ प्रभारी के नाम व फोटो भी लगाए गए हैं। इस बीच, सपा ने ऐसे पोस्टर लगाये जाने की निंदा की है।

भाजपा सरकार ने कोई वादे पूरे नहीं किए: अजय राय

» भाजपा के स्थापना दिवस पर सीएम के न पहुंचने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पार्टी कार्यालय नहीं गए। इससे साफ है कि सत्ता और संगठन के बीच कुछ अलग चल रहा है।

प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री का भाजपा कार्यालय न जाना साबित करता है कि अंदरखाने में असंतोष है। उन्होंने कहा कि मुख्मयंत्री बाहर थे तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी जोड़ा जा सकता था। भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों और महिलाओं से किए गए वादे पूरे नहीं किए हैं। प्रयागराज और लखनऊ में युवाओं पर लाठीचार्ज तथा 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों संघर्ष कर रहे हैं। अजय राय ने वाराणसी में गौवंश की दुर्दशा का एक वीडियो

दिखाते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में गौमाता के गोवंश को कुत्ते नोच रहे हैं। इस पर सरकार जवाब दे। अजय राय ने बताया कि कांग्रेस पार्टी समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की जयंती पर अधिवक्ता सम्मेलन करेगी। शुक्रवार को होने वाले सम्मेलन में राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद शामिल होंगे। राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा देश को बनाने और आगे बढ़ाने का काम करती रही है।

दिग्गज कांग्रेसी नेता मोहसिना किदवई का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

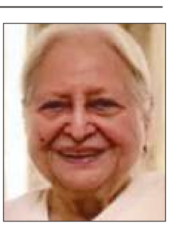

लखनऊ। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई (94) का दिल्ली में निधन हो गया है। वह बाराबंकी की निवासी थी। जिससे राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। वह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बेहद करीब मानी जाती थीं और लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति में सक्रि य रहीं।

एक जनवरी, 1932 को बाराबंकी में जन्मीं मोहसिना किदवई दो बार छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य भी चुनी गईं। वह 1978 उपचुनाव, 1980 और 1984 में मेरठ से सांसद चुनी गईं। इसके बाद २००४ से २०१० और २०१० से २०16 तक राज्यसभा की सदस्य रहीं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में स्वास्थ्य, शहरी विकास, पर्यटन, परिवहन और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का जिम्मा संभाला। सोनिया गांधी और गांधी परिवार से भी उनके करीबी संबंध थे। 1 जनवरी 1932 को जन्मीं किदवई का बाराबंकी जिले से गहरा जुड़ाव रहा। मसौली क्षेत्र में उनका ननिहाल और ससुराल था, जहां वह अक्सर आती-जाती रहती थीं।

किसानों को एमएसपी नहीं देना चाहती सैनी सरकार: भूपेंद्र सिंह

» पूर्व सीएम ने भाजपा पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी न देना पड़े इसलिए अनाज मंडी में गेहूं बेचने के लिए नई-नई शर्तें थोपी जा रही हैं। हुड्डा अपने हलके गढ़ी सांपला-किलोई की सांपला अनाज मंडी के दौरे के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। बुधवार को हुड्डा नारायणगढ़, साढ़ौरा, बराड़ा व अंबाला जाएंगे।

वहीं, गुरुवार को पिपली व करनाल की अनाज मंडियों का दौरा करेंगे। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उन्हें लगातार प्रदेश के किसानों से मंडियों में फैली अव्यवस्थाओं की सूचना मिल रही है। भाजपा सरकार गेहूं और सरसों की खरीद करने की बजाय किसानों पर रोज नई-नई शर्तें थोप रहे हैं। पोर्टल रजिस्ट्रेशन, गेट पास, गारंटर, बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर नंबर और वेरिफिकेशन जैसी शर्तों को पूरा करने में ही किसान उलझकर रह गया है। उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। हुड्डा ने कहा कि सरकार चाहती है कि किसान मंडी के बाहर

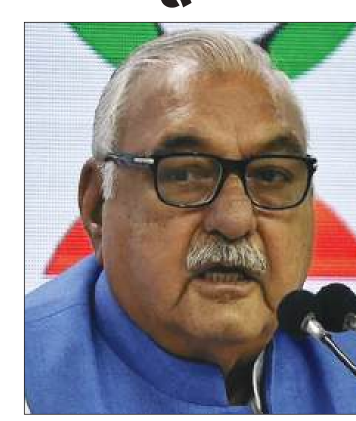

ही अपनी फसल बेचकर चले जाएं ताकि किसानों को एमएसपी न देना पड़े। ऊपर से बे-मौसमी बारिश से खड़ी फसल खराब हो रही है। ऐसे में सरकार को तुरंत स्पेशल गिरदावरी करवाकर उन्हें मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्री किसानों की परेशानी समझने की बजाए बचकाने बयान दे रहे हैं। कह रहे हैं कि बारिश की वजह से पैदावार बढ़ जाएगी। विपक्ष ने सरकार से मांग की है कि प्रति क्विंटल किसानों को बोनस दिया जाए। हुड्डा ने मंडी के अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जहूराबाद से नहीं अतरौलिया से लड़ेंगे राजभर

» सुभासपा ने भाजपा को दी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। इस बीच योगी आदित्यनाथ के मंत्री और जहूराबाद सीट से विधायक ओम प्रकाश राजभर ने एक ऐसा ऐलान कर दिया है जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने ऐलान कर दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव वह अपनी जहूराबाद सीट से नहीं, बल्कि आजमगढ़ की अतरौलिया सीट से लड़ेंगे. इसके लिए उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी है। इस सीट से अभी तक संजय निषाद की निषाद पार्टी अपना उम्मीदवार उतारती आई है। ऐसे में एनडीए के सहयोगी दलों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओपी राजभर का कहना है, हम तो अतरौलिया लड़ेंगे। मुख्यमंत्री जी को भी बता दिए हैं और संजय भाई को भी बता दिए हैं। सब लोग जान गए हैं कि राजभर ही अतरौलिया लड़ेंगे दीदारगंज पर भी निशाना है. ये दो सीटें हम लड़ेंगे और बची 8 बाकी सब लड़ेंगे। जब ओम प्रकाश राजभर से सवाल किया गया कि वह अपने बेटों को किस सीट से चुनाव लड़वाएंगे तो उन्होंने जवाब में कहा कि किसी भी सीट से लड़ लें- जहूराबाद है, दीदारगंज लड़ें, सिकंदरपुर लड़ें, तमाम सीटें हैं। अब हर व्यक्ति के पास, जिसके पास रोजगार नहीं है, उसको एक गाय और एक भैंस, बिना बैंक से गारंटी के दिलवाएंगे आजमगढ़ में मुख्यमंत्री भी आए हैं गांव-गांव में अलख जगा रहे हैं।

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि आजमगढ़ में यादवों का गढ़ कहा जाता है, लेकिन यहां ब्राह्मण, राजपूत, पटेल, चौहान, बिंद, केवट, मल्लाह, निषाद, नाई, कुम्हार, लुहार, प्रजापति, राजभर, गुप्ता, चौरसिया, सोनकर, हर जाति के लोग रहते हैं. 22 फरवरी को हमने आजमगढ़ में दिखाया कि यहां सभी समाज के लोग रहते हैं. यह गढ़ केवल समाजवादी पार्टी का नहीं है, सबका है।

ओपी राजभर ने दावा किया कि आजमगढ़ की दसों विधानसभा सीटें एनडीए ही जीतेगा। अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के नेताओं को जो घमंड है, वो चकनाचूर हो जाएगा आजमगढ़ के लोग परिवर्तन चाहते हैं।

तमिलनाडु में विस का चुनावी मंच सजा

सूरमाओं की फौज तैयार

- » डीएमके, एआईडीएमके के बाद भाजपा व कांग्रेस ने घोषित किए उम्मीदवार
- » बहुत से चर्चित चेहरे सूची से दरकिनार
- » अन्नामलाई ने कहा है -चुनाव न लड़ने का फैसला पूरी तरह से उनका अपना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनावी मंच सज चुका है। डीएमके व एआईडीएमके के योद्धा तैयार हैं। उनके सहयोगी दलों के सूरमा भी ताल ठोंकने के लिए कमर कसे हुए हैं। भाजपा व कांग्रेस ने अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। दोनों दलों में कुछ नए तो कुछ पुराने चेहरों को मौका मिला है तो कुछ ऐसे नामों को दरकिनार कर दिया गया जिनका नाम सबसे आगे चल रहा था जिसमें भाजपा का सबसे बड़ा नाम अन्नामलाई का है जिनका नाम पहली सूची में नहीं है। सूत्रों की माने तो शायद अन्नामलाई का नाम गठबंधन की राजनीति की वजह से गायब हुआ है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 26 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने 27 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, प्रदेश इकाई के प्रमुख नैनार नागेंद्रन और तमिलिसाई सुंदरराजन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि, सबसे चौंकाने वाला फैसला पूर्व आईपीएस अधिकारी और पार्टी के कद्दावर नेता के. अन्नामलाई को टिकट न देना रहा। अन्नामलाई, जो जुलाई 2021 से अप्रैल 2025 तक प्रदेश अध्यक्ष रहे, उन्हें इस बार चुनावी मैदान में उतारने की व्यापक उम्मीदें थीं। उनके नाम के गायब होने ने राज्य की राजनीति में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। हालांकि अन्नामलाई ने कहा है कि चुनाव न लड़ने का फैसला पूरी तरह से उनका अपना था।

बीजेपी अपने कमल चुनाव चिह्न पर 33 विस सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी

कुल मिलाकर, बीजेपी अपने कमल चुनाव चिह्न पर 33 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। ए.सी. षणमुगम के नेतृत्व वाली पुथिया नीधि कत्वी भाजपा के चुनाव चिह्न पर एक उम्मीदवार उतारेगी। तमिल मानिला कांग्रेस (मूपनार) भी बीजेपी के चुनाव चिह्न पर पाँच सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके साथ ही, तमिलझगा मक्कल मुनेत्र कड़गम और साउथ इंडियन फॉरवर्ड ब्लॉक भी बीजेपी के चुनाव चिह्न पर एक-एक उम्मीदवार मैदान में उतारेंगे। यहाँ यह भी बताना जरूरी है कि अन्नामलाई कभी भी एआईडीएमके के साथ बीजेपी गठबंधन के समर्थक नहीं रहे हैं। यहाँ तक कि कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया था कि एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने अपनी पार्टी की एनडडए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) में वापसी के लिए यह शर्त रखी थी कि इस पूर्व अधिकारी को भगवा पार्टी के तमिलनाडु प्रमुख के पद से हटा दिया जाए।

अन्नामलाई और बीजेपी के बीच क्या सब ठीक नहीं है

विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में पहले यह दावा किया गया था कि अन्नामलाई, बीजेपी और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच हुए सीट-बँटवारे के समझौते से खुश नहीं थे। उन्होंने बीजेपी नेतृत्व को एक पत्र भी लिखा था, जिसमें उन्होंने सीट-बँटवारे के समझौते पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। यह जिक्र करना जरूरी है कि समझौते के तहत एआईडीएमके और बीजेपी क्रमशः 169 और 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं।

फैसले की जानकारी पार्टी नेतृत्व को लिखित रूप में काफी पहले ही दे दी थी : अन्नामलाई

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की उम्मीदवारी सूची में अपना नाम न होने पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि चुनाव न लड़ने का फैसला पूरी तरह से उनका अपना था। कोयंबटूर से चेन्नई पहुंचने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने अपने इस फैसले की जानकारी पार्टी नेतृत्व को लिखित रूप में काफी पहले ही दे दी थी। उन्होंने कहा कि मैंने कोर कमेटी को पहले ही बता दिया है कि मैं किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ूंगा। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मुझे टिकट देने से इनकार किया गया। सच तो यह है कि मैं चुनाव लड़ना ही नहीं चाहता था। अपनी उम्मीदवारी को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्नामलाई ने

सवाल उठाया कि जब उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था, तो नेतृत्व उन्हें सीट कैसे दे सकता है। उन्होंने कहा कि जब मैं चुनाव लड़ना ही नहीं चाहता, तो नेतृत्व मुझे टिकट कैसे दे सकता है? उन्होंने आगे कहा कि मीडिया में इस मामले पर चर्चा होने के कारण वे स्पष्टीकरण दे रहे हैं। भाजपा नेता ने अपने फैसले का सम्मान करने और एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने की अनुमति देने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद दिया। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मैं राज्य में गठबंधन के उम्मीदवारों का सक्रिय रूप से समर्थन करूंगा।

26 के तमिलनाडु चुनाव

एनडीए के सीट-बंटवारे के समझौते के अनुसार, एआईडीएमके को सीटों का सबसे बड़ा हिस्सा मिला है, यानी 169 सीटें। बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, पट्टाली मक्कल काची 18 सीटों पर, और अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कजगम 11 सीटों पर। 21 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन से हारने के बाद, बीजेपी अब इस तटीय राज्य में सत्ता वापस पाने की कोशिश कर रहा है। इस साल, 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे। वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

कांग्रेस ने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 26 के लिए कांग्रेस ने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई और वरिष्ठ नेता दुरई चंद्रशेखर जैसे प्रमुख चेहरे शामिल हैं। पार्टी डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन के तहत 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। श्रीपेरुम्बुदुर सीट से मैदान में उतारा है। सेल्वपेरुंथगई ने पिछले चुनाव में भी श्रीपेरुम्बुदुर से चुनाव लड़ा था और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम के उम्मीदवार के. पलानी को लगभग 110 वोटों के अंतर से हराया था। वरिष्ठ नेता दुरई चंद्रशेखर, जो पोन्नेरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, को पार्टी ने फिर से निर्वाचित किया है। इसके अलावा, कांग्रेस ने कृष्णागिरी विधानसभा सीट से डॉ. ए. चेल्ला कुमार, वेलाचेरी से जे.एम.एच. आसन मौलाना, शोलिंगुर से ए.एम. मुनिराथिनम और उथंगराई से आर.

कुप्पू सामी को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का हिस्सा है। सीट बंटवारे के समझौते के तहत, डीएमके को सबसे अधिक सीटें मिली हैं और वह 164 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी (पार्टी ने अपने सभी उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी है)। डीएमके की प्रमुख सहयोगी कांग्रेस को 28 सीटें दी गई हैं। प्रेमलता विजयकांत के नेतृत्व वाली देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कजगम (डीएमडीके) को 10 निर्वाचन क्षेत्र और थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली विदुथलाई चिरुथाइगल कत्ची (वीसीके) को आठ सीटें दी गई हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) पांच-पांच सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि वाइको की मरुमलार्ची द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एमडीएमके) चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मानिथनेया मक्कल काची (एमएमके) को दो-दो सीटें दी गई हैं। मानिथनेया जननायगा काची (एमजेके) और सोशल डेमोक्रटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) को एक-एक सीट मिली है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे। वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

अन्नामलाई के लिए फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया गया

व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि भगवा पार्टी 41 वर्षीय अन्नामलाई को विधानसभा चुनाव में मैदान में उतारेगी। अन्नामलाई जुलाई 21 से अप्रैल 25 तक भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख रहे थे। हालांकि, अंत में पार्टी ने उन्हें मैदान में न उतारने का फैसला किया। जब नागेंद्रन से अन्नामलाई को सूची से बाहर रखे जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया गया है। तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष ने को बताया, आलाकमान ने 27 उम्मीदवारों की एक सूची जारी की है ये सभी 27 उम्मीदवार इस बार निश्चित रूप से जीतेंगे। यह आलाकमान का फैसला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अन्नामलाई मिले

अन्नामलाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चेन्नई यात्रा का भी जिक्र किया और बताया कि पुडुचेरी में अपना प्रचार समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे और फिर भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन में आगे प्रचार करने के लिए कोच्चि रवाना होंगे। यह स्पष्टीकरण भाजपा द्वारा एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए के तहत तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए 27 उम्मीदवारों की सूची जारी करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें अन्नामलाई का नाम न होना सबसे बड़ा विवाद का विषय बन गया है। इससे पहले कोयंबटूर क्षेत्र के निर्वाचन क्षेत्रों से उनका नाम जोड़ा गया था।

नागेंद्रन के नेतृत्व से खुश नहीं

रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि अन्नामलाई, जिनके बारे में व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वे तमिलनाडु में बीजेपी के चुनावी अभियान का नेतृत्व करेंगे, नागेंद्रन के नेतृत्व से खुश नहीं हैं। फरवरी में, उन्होंने अपने पिता की खराब सेहत का हवाला देते हुए, छह विधानसभा सीटों के लिए बीजेपी के प्रभारी पद से भी इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, अन्नामलाई ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वे बीजेपी में एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करने के लिए तैयार हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानवीय भावनाओं को शब्द देता है सुर और संगीत

> "संगीत हमारी मानसिक स्पष्टता को बनाए रखता है। संगीत की सभी कलात्मक संवेदनाओं को तीन गुणों में समेटा जा सकता है। निष्कर्ष निकालें तो कह सकते हैं 'माधुर्य' मनोहारी या लालित्य, 'ओज' उत्तेजना और 'प्रसाद' सुरुचिपूर्ण होने की अभिव्यक्ति है। इन तीनों का समायोजन संगीत को सर्वाधिक संप्रेषणीय कलारूप में परिवर्तित कर देता है।

संगीत इंसान की शरीर को ही नहीं आत्मा को भी झंकृत कर देता है। आप कितना ही थके हुए हों अगर आपने सुरों में अपने को डुबो लिया तो हर थकान दूर हो जाएगी। वो संगीत की चाहे कोई भी विधा हो। और उसमें हिंदुस्तानी संगीत मानव समाज को एक अनूठी देन है। हालांकि फिल्मी संगीत को ज्यादा तरजीह दी जाती है पर उसमें एक ऐसा भी वर्ग है जो लाइट म्यूजिक व अच्छे शब्दों से पिरोय गए गाने से अपने को बांध लेता है। यह महज मनोरंजन का माध्यम भर नहीं है, बल्कि यह मनुष्य और मनुष्यता की परिपूर्णता का द्योतक भी है। संगीत हमारी मानसिक स्पष्टता को बनाए रखता है। संगीत की सभी कलात्मक संवेदनाओं को तीन गुणों में समेटा जा सकता है। निष्कर्ष निकालें तो कह सकते हैं 'माधुर्य' मनोहारी या लालित्य, 'ओज' उत्तेजना और 'प्रसाद' सुरुचिपूर्ण होने की अभिव्यक्ति है। इन तीनों का समायोजन संगीत को सर्वाधिक संप्रेषणीय कलारूप में परिवर्तित कर देता है। सामान्यतया हम लोग कला के विभिन्न आयामों या अनुभव के लिए सौंदर्य शब्द को प्रयोग में लाते हैं।

वहीं प्रमुख भारतीय कला व्याख्याकार इसे 'कलात्मक संवेदनशीलता' या 'कलात्मक अनुभव' के रूप में परिभाषित करते हैं। वहीं तमाम पश्चिमी कला विशेषज्ञ और दार्शनिक, जिसमें जर्मनी के मैक्स-मूलर भी शामिल हैं मानते हैं कि भारतीयों के दिमाग कला में सुंदरता का कोई विचार ही नहीं है। हम सभी समझते हैं कि कला में हमेशा भावनात्मकता का तत्व मौजूद रहता है। संगीत अपने आप में एक स्वायत्त कलारूप है। तब यहां पर सवाल उठता है कि जब यह स्वायत्त है तो फिर यह किसी भावना या भावनात्मक अभिव्यक्ति को कैसे संप्रेषित कर सकता है? इसका एक उत्तर तो यह हो सकता है कि संगीत भले ही एक प्रतिनिधित्व करने वाली कला नहीं है, परंतु यह अर्थपूर्ण एवं भावनात्मक कलारूप तो है। जिस तरह भारतीय काव्य परंपरा सभी तरह की भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम रही है उसी तरह संगीत भी हमारी प्रत्येक भावना को अभिव्यक्त करने की सामर्थ्य रखता है। इस संप्रेषण का मुख्य माध्यम 'रस' है और इसे तीन प्रमुख गुणों से अभिव्यक्त किया जाता है। पहला गुण है 'माधुर्य'। इसका शाब्दिक अर्थ होता है मधुरता, आकर्षण, मोहकता और सुघड़ता। इन सभी भावनात्मक गुणों में कोमलता अनिवार्यत, विद्यमान रहती है। ये सभी भावनाएं जिनमें हम महसूस करते हैं कि हमारा हृदय पिघल रहा है, द्रूतिकारणम कहलाती हैं। हमारी भावनाएं बेहद कोमल हो जाती हैं, जैसे स्त्री-पुरुष के मध्य प्रेम, ईश्वर के प्रति प्रेम। इनमें मुख्य स्वर करुणा, शांति और गहन आध्यात्मिक शांति का होता है। दूसरा गुण है 'ओज'। यह मनुष्य में विद्यमान सर्वोच्च गुणों में से है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सेहत-पर्यावरण को लील रहे कचरे के ढेर

डॉ. रितु सारस्वत

विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की ताजा रिपोर्टें संकेत करती हैं कि दुनिया तेजी से कचरे के ऐसे संकट की ओर बढ़ रही है, जो आने वाले दशकों में पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। वर्ष 2022 में दुनिया में लगभग 2.6 अरब टन कचरा उत्पन्न हुआ, जो 2050 तक बढ़कर 3.9 अरब टन तक पहुंचने की आशंका है। इसी क्रम में यूएनईपी की 'फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट' बताती है कि हर वर्ष लगभग 1 अरब टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा घरों से आता है। यह स्थिति संसाधनों की भारी बर्बादी व समाज की उपभोग-प्रधान मानसिकता उजागर करती है। कचरे के बढ़ते ढेर केवल अस्वच्छता का प्रतीक नहीं , बल्कि वे पर्यावरण के लिए गंभीर वैज्ञानिक खतरा उत्पन्न करते हैं।

विश्व बैंक की 'व्हाट अ वेस्ट' रिपोर्ट और यूएनईपी की 'ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक' रिपोर्ट स्पष्ट करती हैं कि लैंडफिल में जमे जैविक कचरे के सड़ने से मीथेन गैस निकलती है। यह ग्रीनहाउस गैस वैश्विक तापवृद्धि तेज करती है। इसके अलावा, कचरे के अनुचित निपटान से मिट्टी और भूजल प्रदूषित होते हैं, जिससे कृषि और मानव स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खुले में कचरा जलाने से निकलने वाली विषैली गैसें और सूक्ष्म कण गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। प्लास्टिक कचरे के विघटन से उत्पन्न सूक्ष्म कण जल स्रोतों में मिलकर खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बन जाते हैं, जो मानव जीवन के लिए खतरा बनते हैं। अहम प्रश्न है कि कचरे के ढेर आखिर किन कारणों से निरंतर बढ़ रहे हैं। इसका उत्तर हमारी उपभोक्तावादी संस्कृति में निहित है, जो निरंतर अधिक से अधिक उपभोग करने के लिए प्रेरित करती है। समाजशास्त्री जिग्मुंट बॉमन के अनुसार, आधुनिक समाज एक 'उपभोक्ता समाज' में परिवर्तित हो चुका है, जहां वस्तुओं का निर्माण दीर्घकालिक उपयोग के लिए नहीं, बल्कि शीघ्र त्याग के लिए किया जाता है। यूएनईपी की 'ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक 2024' रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि वर्तमान 'उत्पादन-उपभोग-त्याग' अर्थव्यवस्था में निर्मित अधिकांश वस्तुएं अंततः कचरे में बदल जाती हैं।

यदि यह मॉडल जारी रहा, तो कचरे की मात्रा और उससे जुड़े पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभाव लगातार बढ़ते जाएंगे। विश्व बैंक की 'व्हाट अ वेस्ट' रिपोर्ट यह संकेत देती है कि आर्थिक विकास, शहरीकरण और बढ़ते उपभोग के साथ कचरे की मात्रा में भी निरंतर वृद्धि होती है। इसी प्रकार, यूएनईपी रेखांकित करता है कि वर्तमान अस्थिर उपभोग और उत्पादन की प्रवृत्तियां कचरे के बढ़ते संकट का प्रमुख कारण हैं। 'ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक' रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि टिकाऊ समाधान के रूप में पुनः उपयोग, मरम्मत और पुनर्चक्रण जैसी प्रक्रियाओं को अपनाना आवश्यक है। जहां पारंपरिक समाजों में वस्तुओं का उपयोग अधिक टिकाऊ और पुनः उपयोग पर आधारित था, वहीं आधुनिक उपभोग-प्रधान जीवनशैली ने इस संतुलन को समाप्त कर दिया। विश्व स्तर पर सीमित और सजग उपभोग को बढ़ावा देने के लिए कई संगठित प्रयास किए गए हैं। 'जीरो वेस्ट' आंदोलन, जिसे 21वीं सदी के प्रारंभ में संस्थागत रूप मिला, इस विचार को स्थापित करता है कि कचरे को न्यूनतम स्तर तक लाया जा सकता है। वहीं, वर्ष 2011 में ऑस्ट्रेलिया से शुरू हुआ 'प्लास्टिक फ्री जुलाई' अभियान आज वैश्विक स्तर पर लोगों को सिंगल-यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने को प्रेरित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2022 में 'इंटरनेशनल जीरो वेस्ट डे' की घोषणा दर्शाती है कि यह विषय अब वैश्विक प्राथमिकता है। इन आंदोलनों ने इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई लेकिन केवल आंदोलनों के जरिये इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए हमें अपनी

जीवनशैली और उपभोग के तरीकों में परिवर्तन लाना होगा। वास्तव में, यह समस्या बाहर से अधिक भीतर से जुड़ी हुई है। हम कैसे जीते हैं, क्या खरीदते हैं और कितना त्याग करते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम ऐसे जीवन मूल्यों को अपनाएं, जो संतुलन और संयम पर आधारित हों।

समझना होगा कि अत्यधिक उपभोग केवल तात्कालिक सुविधा प्रदान करता है, जबकि दीर्घकाल में यह पर्यावरणीय असंतुलन और संसाधनों के क्षय का कारण बनता है। जापान जैसे देश यह उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि सादगी, अनुशासन और संतुलित जीवनशैली भी एक समृद्ध और सम्मानित समाज की पहचान हो सकती है। जापानी जीवनशैली का न्यूनतावादी दृष्टिकोण एक महत्वपूर्ण दिशा प्रस्तुत करता है। मैरी कोंडो की पुस्तक 'द लाइफ-चेंजिंग मैजिक ऑफ टाइडिंग अप' के मुताबिक, व्यक्ति को केवल उन्हीं वस्तुओं को पास रखना चाहिए, जो वास्तव में आवश्यक हों।

घरवाली बाहरवाली का त्रास झेलती स्त्री

क्षमा शर्मा

हाल ही में प्रयागराज हाईकोर्ट ने कहा कि एक शादीशुदा पुरुष, किसी अन्य महिला के साथ लिव-इन में रह सकता है। इस तरह रहना कोई अपराध नहीं है। नैतिकता और कानून को अलग रखना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि पत्नी अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए, ऐसे आदमी से तलाक और मुआवजा ले सकती है। जबकि प्रयागराज हाईकोर्ट की एक दूसरी बैंच ने निर्णय दिया कि वे उन लिव-इन जोड़ों को सुरक्षा नहीं दे सकते, जो पहले से ही शादीशुदा हैं और जिन्होंने तलाक नहीं लिया है। ऐसे जोड़ों के जीवन में दखल देने का अधिकार भी किसी को नहीं है। लेकिन इसे कानूनी मान्यता तब तक नहीं दी जा सकती, जब तक कि तलाक न हो। वास्तव में, परम स्वतंत्रता जैसी चीज कोई नहीं होती।

हां, यदि ऐसे जोड़ों को किसी हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो वे पुलिस से सुरक्षा मांग सकते हैं। इसी तरह का फैसला दिल्ली हाईकोर्ट ने भी दिया था। अदालत ने कहा था कि दो वयस्क अपनी मर्जी से साथी चुन सकते हैं। और साथ रहने का फैसला कर सकते हैं। इन्हें यदि अपने परिवार के लोगों से खतरा है, तो पुलिस सुरक्षा लेने का पूरा अधिकार है। कानून को देखें तो बिना तलाक लिए इस तरह रहने की इजाजत नहीं होती। इसके अलावा बहुत-सी अदालतों ने इसे पति या पत्नी के अधिकारों का उल्लंघन भी माना है। एक जमाने में भारत में बदचलनी (एडल्टरी) को कानूनन अपराध माना जाता था, लेकिन अब वह अपराध नहीं है। लेकिन इसके आधार पर तलाक मिल सकता है। अक्सर बहुत से सामाजिक मुद्दे कानूनी दांव-पेच में खो जाते हैं। बहुत से पुरुषों की सोच रहती है कि घर में एक पत्नी है, जो उनके परिवार की जरूरतों और बच्चों के पालन-पोषण के लिए है, लेकिन बाहर घूमने-फिरने, मौज उड़ाने के लिए एक और स्त्री चाहिए। घरवाली बाहरवाली, जैसी फिल्में विगत में सुपरहिट होती रही हैं। मशहूर हिंदी लेखक स्व. जैनेंद्र कुमार ने तो सत्तर के दशक में एक प्रस्थापना ही दे डाली थी कि लेखकों को प्रेरणा पाने के लिए पत्नी के अलावा एक प्रेमिका भी चाहिए।

उस समय जैनेंद्र जी के इस कथन पर बहुत विवाद भी हुआ था। कई स्त्रियों ने कहा था कि यदि पत्नियां भी ऐसा ही कहने लगें कि उन्हें भी लिखने के लिए पति के अलावा एक और प्रेमी चाहिए, तो क्या होगा। यह भी सच है कि दबे-छिपे ऐसा होता भी रहता है। बहुत-सी जगह कानून एक तरफ चलता है, और समाज के दवाब दूसरी तरफ। अब भी कई कम्युनिटीज ऐसी हैं, जहां पुरुष कई विवाह कर लेते हैं। कई जगहों पर स्त्रियों को भी यह सुविधा प्राप्त है। यदि हालिया निर्णय के संदर्भ में पढ़ें, शादीशुदा पुरुषों को कानून का सहारा भी मिल जाएगा कि वे किसी और के साथ रह सकें। जो स्त्री किसी की पत्नी है, उसे हमेशा यह डर सताता रहेगा कि कहीं उसका पति किसी और के साथ रहने चला गया, तो उसका क्या होगा। हर स्त्री के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह ऐसे मामले में अदालतों के चक्कर लगा सके और न्याय प्राप्त कर सके।

यदि इस स्त्री के बच्चे हैं, तो उनका क्या होगा। पति तो किसी भी तरह की जिम्मेदारी से मुक्त हो गया होगा। और क्या मात्र तलाक मिलने या मुआवजा मिलने से इस तरह से त्यागी गई स्त्रियों का जीवन चल जाएगा। अकेलेपन और अपमान की उस भावना का क्या, जो इन स्त्रियों को झेलनी पड़ेगी। आज भी बहुत से पुरुषों के मुंह से ये शब्द आसानी से निकलते हैं कि या तो ये कर, वर्ना तुझे छोड़ दूंगा। जैसे कि किसी स्त्री को छोड़ना उसका मौलिक अधिकार हो। ऐसी रील्स से सोशल मीडिया भरा पड़ा है। कई लोगों को इस बात को बहुत अहंकारपूर्वक कहते भी सुना है कि हां मैं किसी और के साथ रहता हूं। रिलेशनशिप में भी हूं, लेकिन जाकर मेरी पत्नी से पूछो कि क्या उसे किसी तरह की तकलीफ होने देता हूं, पैसे, टके, घर, बार आदि की। बाहर क्या करता हूं, इससे उसे क्या मतलब। इस तरह की वाक्यावली दरअसल स्त्री को यही बताने के लिए होती है कि वह चाहे कुछ भी कर ले, है आज भी दोयम दर्जे की नागरिक। मणिशंकर अय्यर ने हाल ही में बयान दिया था कि मुसलमानों के मुकाबले हिंदू और सिख पुरुष दो पत्नियां अधिक रखते हैं। सीताराम येचुरी ने तो पूरी किताब ही लिखी थी। इनके विचारों से हम सहमत न हों, लेकिन अय्यर या येचुरी ने जब यह लिखा, तो इसका मतलब यह भी है कि समाज में एक से अधिक पत्नियां या सम्बंध रखने में बहुत से पुरुष आज भी यकीन करते हैं।

भले ही समाज या कानून की नजर में इसे अच्छा न माना जाता हो। कई स्त्रियां भी इन दिनों ऐसा करती पाई जाती हैं, लेकिन उनकी संख्या पुरुषों के मुकाबले बहुत कम है, इसीलिए वे खबर भी बनती हैं। यह भी लगता है कि अब जब अदालत ने पुरुष के शादीशुदा होने पर भी लिव-इन में रहकर दूसरे सम्बंध को रखने की अनुमति दे दी है, तो ऐसे सम्बंधों को बढ़ने से कैसे रोका जा सकेगा। यह लेखिका बहुत-सी ऐसी साइट्स को देखती हैं जहां स्त्रियां किसी कानून विशेषज्ञ या काउंसलर तक पहुंच के अभाव में, अपनी समस्याओं को लिखती हैं और सहायता मांगती हैं। यदि यहां सौ स्त्रियां हैं, तो उनमें से कम से कम पचानवे की समस्याएं पति को लेकर हैं। उनमें से भी बहुतों की मुसीबत पति की उपेक्षा और दूसरी स्त्री या अनेक स्त्रियों से सम्बंधों को लेकर है। जब अदालत का यह फैसला आया तो इन्हीं स्त्रियों के बारे में सोचने लगी। अब तक तो इन्हें लगता था कि ऐसे प्रसंगों में कानून उनकी मदद करेगा, लेकिन यह फैसला तो एक तरह से पत्नी को सताने वाले पुरुषों को और ताकत देगा।

चावल की पूड़ी

घर पर ऐसे बनाएं कुरकुरी

भारतीय रसोई में व्यंजनों के स्वाद और सुगंध रहती है। जब गेहूं की पूड़ियों से मन भर जाए या सादा भोजन व ग्लूटेन फ्री विकल्प चाहिए तो चावल के आटे की पूरी सबसे भरोसेमंद और स्वादिष्ट समाधान बन सकती है। चावल के आटे से बनी पूड़ियां बाहर से कुरकुरी, खस्ता जैसी और अंदर से हल्की व फूली फूली होती हैं। हालांकि अक्सर चावल के आटे से बनाई पूड़ियां टूटने लगती हैं। कई बार लोगों को चावल के आटे की पूड़ी बनाना कठिन लगता है। लेकिन अगर ये सही तरीके से बनाई जाए तो टूटती भी नहीं और आसानी से भी बनाई जा सकती है। यहां एक दम सरल विधि और कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आसानी से चावल के आटे की कुरकुरी और हल्की पूड़ी बना सकते हैं।

विधि

चावल के आटे की पूरी बनाना कोई कठिन काम नहीं, बस तरीका सही होना चाहिए। जब आटा सही गूंथा जाए, पूरी सही तरह बेली जाए और तेल सही तापमान पर हो तो यह पूरी हर बार कुरकुरी और फूली-फूली बनती है। एक परात में चावल का आटा और नमक डालें। अब इसमें उबलता हुआ गरम पानी थोड़ा-थोड़ा डालें। चम्मच से मिलाएं, फिर जब हल्का ठंडा हो जाए तो हाथ से नरम लेकिन सख्त आटा गूंथ लें। ऊपर से 1 चम्मच तेल लगाकर ढक दें और 5 मिनट के लिए छोड़ दें। ध्यान रखें चावल का आटा ठंडे पानी से नहीं गूंथना चाहिए, वरना पूरी फटेगी। हाथों में थोड़ा तेल लगाएं। आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं। दो पॉलिथीन शीट या गीले कपड़े के बीच रखकर हल्के हाथ से बेलें। सूखा आटा लगाने की जरूरत नहीं वरना पूरी सख्त हो जाएगी। कढ़ाही में तेल मध्यम आंच पर गरम करें। तेल अच्छी तरह गरम हो जाए, तभी पूरी डालें। पूरी डालते ही हल्के हाथ से दबाएं, पूरी फूलने लगेगी। दोनों तरफ से सुनहरी और कुरकुरी होने तक तलें। बटर पेपर या किचन टॉवल पर निकाल लें। आटा हमेशा गरम पानी से गूंथें। लोइयां सूखने न दें, ढककर रखें। बेलते समय ज्यादा दबाव न डालें। तेल ज्यादा ठंडा या बहुत तेज न हो। तुरंत तलें, देर करने पर पूरी टूटती है।

सामग्री

चावल का आटा- 1 कप, गरम पानी- आवश्यकतानुसार, नमक - स्वादानुसार, तेल- 1 छोटा चम्मच (मोयन के लिए), तलने के लिए तेल- पर्याप्त, 1 चुटकी अजवाइन या जीरा स्वाद के लिए (वैकल्पिक)।

लहसुन की तैयार करें चटनी

गर्मी के मौसम में खाने का स्वाद ही कुछ और होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में खाने के कई सारे विकल्प उपलब्ध रहते हैं। इन्हीं विकल्पों में शामिल है लहसुन की चटनी, जो अपने तीखे स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए प्रसिद्ध है। इस मौसम में लहसुन की चटनी खाने का एक बेहतरीन विकल्प बन सकती है। लहसुन न केवल आपके भोजन को स्वादिष्ट बनाता है, बल्कि ये सेहत के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि ये शरीर को गर्मी प्रदान करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। ऐसे में आप इसकी चटनी बनाकर भी सेवन कर सकते हैं। लहसुन की चटनी सर्दी में खासतौर पर बहुत पसंद की जाती है, क्योंकि ये पेट को हल्का महसूस कराती है और भोजन के स्वाद को बढ़ा देती है। इस चटनी को बनाने में भी ज्यादा समय नहीं लगता।

सामान

लहसुन की कलियां -7, हरी मिर्च - 2, सूखी लाल मिर्च, कश्मीरी लाल मिर्च, नींबू का रस- 1 चम्मच, नमक - स्वाद अनुसार, जीरा -/2 चम्मच, धनिया पाउडर - 1/2 चम्मच, काली मिर्च - 1/4 चम्मच।

विधि

लहसुन का स्वाद चटनी में तीखा और मसालेदार होता है, जो खाने में शानदार लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो लहसुन की कलियों को छीलकर बारीक काट लें। इसके बाद हरी मिर्च, सूखी लाल मिर्च, नमक, कश्मीरी लाल मिर्च, जीरा, धनिया पाउडर और काली मिर्च डालें। इन सभी सामग्री को मिक्सी में अच्छे से पीस लें, ताकि सभी मसाले आपस में अच्छे से मिल जाएं और चटनी एकसार हो जाए। अब इस मिश्रण में ताजे नींबू का रस डालकर अच्छे से मिला लें। नींबू का रस चटनी में ताजगी और खट्टापन लाता है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। इस चटनी को आप खाने के साथ सर्व कर सकती हैं। ये चटनी किसी भी स्नैक, पराठे, पूरी, या चाय के साथ बेहतरीन लगती है। लहसुन की चटनी का स्वाद बहुत तीखा होता है, इसलिए हरी मिर्च और नमक को अपनी पसंद के हिसाब से कम या ज्यादा कर सकती हैं। चटनी को पिसने के दौरान ध्यान रखें कि अधिक पानी न डालें, वरना चटनी का स्वाद हल्का हो सकता है। नींबू का रस ताजे और खट्टे नींबू से ही डालें, ताकि चटनी में सही खट्टापन रहे। चटनी को हवादार जार या कंटेनर में रखें, ताकि वो ताजगी से लंबे समय तक बची रहे। यदि आपको लहसुन का स्वाद थोड़ा ज्यादा तीखा लगे, तो थोड़ा सा शहद भी डाल सकती हैं ताकि चटनी का स्वाद संतुलित हो जाए।

हंसना मना है

डॉक्टर- पप्पु अब तुम्हारी पत्नी कैसी है?
पप्पु- अब काफी सुधार है उसकी तबियत में, आज सुबह तो थोड़ी बहुत लड़ाई भी की उसने।

2 हफ्तों से ज्यादा खासी टीबी बन जाती है.. अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

गर्लफ्रेंड- मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड- तुम्हारी पसंदीदा चोकलेट खा लेता हूं। और तुम क्या करती हो, गर्लफ्रेंड-मैं भी 'विमल' खा लेती हूं।

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईलवयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

अंकल- बेटा क्या करते हो? पप्पू- अंकल मैं 'बाबू' हूं, अंकल- वाह, तुम क्लर्क हो ? पप्पू - नहीं अंकल मैं 'बाबू' हूं, अंकल- अबे तू है क्या? पप्पू - अरे अंकल, मैं 'बाबू' हूं आपकी बेटी का, आपकी बेटी मुझे हमेशा कहती है- 'मेरा बाबू' अंकल बेहोश?

कहानी — गौरैया और बंदर

एक जंगल में पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। वो उस पेड़ पर अपना घोंसला बनाकर गुजर-बसर करते थे। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। इस बार शर्दियों में बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी कांप रहे थे। पेड़ के नीचे बैठने के बाद वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। उन बंदरों ने पत्तियों को एक जगह इकट्ठा किया और उन्हें जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। ये सब देखकर उससे रहा नहीं गया और वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो? देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? इस बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। फिर आग जलाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। फिर से गौरेया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरेया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

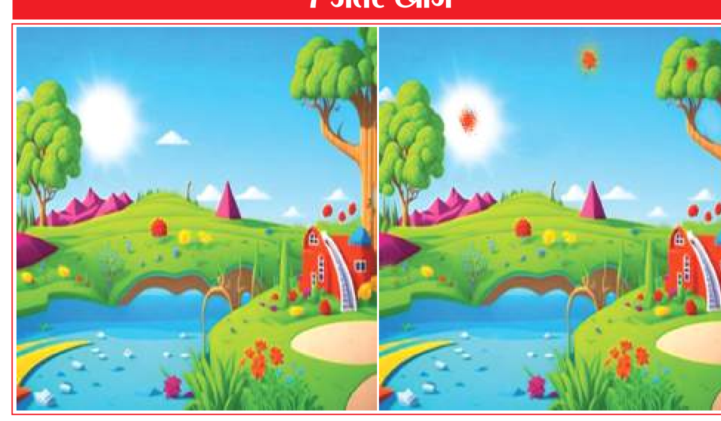

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। प्रमाद से बचें।

वृषभ — शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन — पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कुसंगति से बचें।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह — पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला — प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक — राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर — राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ — आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन — पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

हालीवुड | मन की बात

माइकल जैक्शन की बायोपिक में नजर आयेंगे भतीजे जाफर

फैंस को पॉप स्टार और डांस लीजेंड माइकल जैक्सन की बायोपिक का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म का निर्माण माइकल जैक्सन के भतीजे जाफर जैक्सन कर रहे हैं। वो फिल्म में माइकल जैक्सन की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब जाफर ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के बारे में बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्होंने इस बात को अपने परिवार तक से एक साल तक छिपाकर रखा था। को-एक्टर माइल्स टेलर से बात करते हुए जाफर जैक्सन ने कहा कि फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने की बात उन्होंने एक साल तक अपने परिवार से छिपाकर रखी थी। फिल्म की तैयारी के दौरान भी मैंने उन्हें पूरे एक साल तक नहीं बताया। टेलर ने पूछा, 'आपका क्या मतलब है? जब आपको यह भूमिका मिली, तब भी आपने उन्हें नहीं बताया?' इस पर एक्टर ने कहा कि नहीं। मेरे परिवार में किसी को भी पूरे एक साल तक पता नहीं था। मैंने इसे तब तक छिपाकर रखा जब तक मुझे इसे साझा करने में सहज महसूस नहीं हुआ। लेकिन जब मेरी मां ने इसे स्क्रीन पर देखा, तो वह दंग रह गईं। उनके लिए इसे मुझसे जोड़ना मुश्किल था, इसलिए यह उनके लिए बहुत भावुक पल था। जर्मेन जैक्सन के बेटे जाफर जैक्सन एंटोनी फुक्वा द्वारा निर्देशित फिल्म में माइकल जैक्सन की भूमिका निभा रहे हैं। जाफर इस फिल्म के साथ एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अपनी मां के साथ फिल्म देखना एक यादगार अनुभव था। उन्होंने खुलासा किया कि मेरे पिता ने इसे अभी तक नहीं देखा है और मैं इसके लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह निश्चित रूप से मेरा एक ऐसा पक्ष दिखाता है जिसे मेरी मां ने नहीं देखा है। इस बायोपिक का नाम 'माइकल' है। फिल्म में माइल्स टेलर ने माइकल के वकील और मैनेजर जॉन ब्रांका, कोलमैन डोमिंगो ने माइकल के पिता और मैनेजर जो, निया लॉन्ग ने माइकल की मां कैथरीन और कैट ग्राहम ने मोटाउन स्टार डायना रॉस का किरदार निभाया है।

खत्म नहीं हो रहा है सरके चुनर तेरी का विवाद, NCW का नोटिस

बॉलीवुड | मसाला

संजय दत्त और नोरा फतेही के सरके चुनर तेरी गाने को लेकर विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने फिल्म और गाने से जुड़े लोगों को फटकार लगाई है। आयोग का कहना है कि ऐसे गाने महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। ऐसे अश्लील गानों को रिलीज करने की इजाजत किसी को नहीं है। दरअसल, सोमवार को सरके चुनर तेरी को लेकर आयोग के सामने गीतकार रकीब आलम, निर्देशक प्रेम, केवीएन प्रोडक्शंस के प्रतिनिधि गौतम केएम और सुप्रीथ पेश हुए। संजय दत्त और नोरा फतेही समन भेजे जाने के बाद भी अलग-अलग कारणों से पेश नहीं हो पाए।

सुनवाई की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की। उन्होंने मेकर्स को फटकार लगाते हुए कहा, यह महिलाओं की गरिमा के खिलाफ है और रचनात्मकता के नाम पर महिलाओं की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती।

फिल्म और गाने से जुड़े मेकर्स ने अपनी गलती को माना और आगे से नहीं दोहराने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि कन्नड़ में होने की वजह से उन्हें गीत का सही अर्थ नहीं पता था। उपस्थित सभी लोगों ने आयोग के सामने लिखित में माफी मांगी और माना कि इस गीत से समाज पर गलत प्रभाव पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अगले तीन महीनों में महिला सशक्तीकरण के लिए काम करेंगे और उसकी रिपोर्ट आयोग को देंगे।

अभिनेत्री नोरा फतेही और अभिनेता संजय दत्त दोनों ही आयोग के सामने नहीं पहुंचे। नोरा की जगह उनके अधिवक्ता ने अपनी बात रखी, लेकिन आयोग ने उनकी किसी भी बात को सुनने से इनकार कर दिया। महिला आयोग का कहना है कि नोरा को खुद पेश होना होगा। वहीं, संजय दत्त शूटिंग के सिलसिले में देश से बाहर हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने नोरा को आखिरी मौका देते हुए 27 अप्रैल को पेश होने को कहा है, जबकि संजय दत्त को 8 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया गया है।

मृणाल ने रणवीर सिंह की जमकर की तारीफ, कहा-उनकी वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।

हाल ही में मृणाल ठाकुर रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस बीच उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'

उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।' बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आएंगी, जो 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

अजब-गजब

ये है दुनिया का सबसे तीखा पौधा,

इस पौधे के सामने फीकी है सबसे खतरनाक मिर्च

तीखेपन का नाम आते ही सबसे पहले जेहन में लाल मिर्च या हरी मिर्च का ख्याल आता है। दुनिया भर में मिर्च की ऐसी कई प्रजातियां हैं, जिन्हें खाने के नाम से ही लोगों के पसीने छूट जाते हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक पेप्पर एक्स दुनिया की सबसे तीखी मिर्च है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुदरत ने एक ऐसा पौधा भी बनाया है जिसके सामने दुनिया की सबसे धाकड़ मिर्च भी फीकी चाय जैसी लगती है? यह कोई मिर्च नहीं, बल्कि एक कैक्टस जैसा दिखने वाला साधारण सा पौधा है, जिसका तीखापन इतना जानलेवा है कि इसे केमिकल वेपन यानी रासायनिक हथियार की श्रेणी में रखा जा सकता है। ये इतना ज्यादा खतरनाक है कि इंसान की नसों को हमेशा के लिए सुन्न कर सकता है। इस पौधे के भीतर छिपा रेसिनिफेरा टॉक्सिन के कारण इसे चखना तो दूर, छूने मात्र से शरीर पर तेजाब जैसे जख्म बन सकते हैं। इसकी दो बूंद भी जान ले सकती है।

मोरक्को के पहाड़ों और नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में पाया जाने वाला यह पौधा रेजिन स्पर्ज के नाम से जाना जाता है। इसमें पाया जाने वाला रेसिनिफेरा टॉक्सिन इसे दुनिया का सबसे तीखा और दर्दनाक पौधा बनाता है। आमतौर पर हम मिर्च के तीखेपन को कैप्साइसिन से मापते हैं। इसके लिए एक्सपर्ट स्कोविल स्केल का इस्तेमाल करते हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, दुनिया की सबसे तीखी मिर्च पेपर एक्स का स्कोर स्कोविल

स्केल पर 26.9 लाख यूनिट है। वहीं, मिर्च को तीखा बनाने वाला शुद्ध रसायन कैप्साइसिन 1.6 करोड़ स्कोविल यूनिट पर आता है, जो इंसान की जान लेने के लिए काफी है। लेकिन जब बात रेसिनिफेरा टॉक्सिन की आती है, तो आंकड़े होश उड़ा देते हैं। इस पौधे का तीखापन 16 अरब स्कोविल यूनिट है। यानी यह शुद्ध मिर्च के मुकाबले 1000 गुना ज्यादा तीखा और जानलेवा है।

यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि रेसिनिफेरा टॉक्सिन कितना भयानक महसूस होता होगा। यह असल में खाने की चीज नहीं, बल्कि एक रासायनिक हथियार जैसा है। जैसे ही यह इंसान के शरीर के संपर्क में आता है, यह सीधे दर्द महसूस करने वाले 'अ' रिसेप्टर्स पर हमला करता है। मिर्च का कैप्साइसिन इन रिसेप्टर्स को थोड़ी देर के लिए उत्तेजित करता है, जिससे जलन महसूस होती है। लेकिन रेसिनिफेरा टॉक्सिन इन रिसेप्टर्स से इतनी मजबूती से जुड़ जाता है कि नसों की कोशिकाओं में कैल्शियम बहुत बढ़ जाता है। यह ओवरलोड इतना ज्यादा होता है कि दर्द महसूस करने वाली नसें जलकर मर जाती हैं। इसका मतलब है कि इसे छूने या चखने के बाद इंसान उस हिस्से में कभी दर्द महसूस नहीं कर पाएगा, क्योंकि वहां की नसें हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगी।

वैज्ञानिकों का मानना है कि मोरक्को के सूखे और पथरीले इलाकों में उगने वाले इस पौधे ने खुद को शाकाहारी जानवरों से बचाने के लिए इस घातक हथियार को विकसित किया है। इसका एक छोटा सा हिस्सा भी अगर किसी जानवर के मुंह में चला जाए, तो उसे भयानक जलन और केमिकल बर्न का सामना करना प?ता है। यही वजह है कि रेगिस्तान के भूखे जानवर भी इसके पास जाने की हिम्मत नहीं करते। भले ही यह पौधा दुनिया का सबसे तीखा और खतरनाक हो, लेकिन चिकित्सा विज्ञान के लिए यह एक ब?ी उम्मीद बनकर उभरा है। चूंकि यह दर्द महसूस करने वाली नसों को खत्म करने की ताकत रखता है, इसलिए वैज्ञानिक इसका उपयोग कैंसर के अंतिम चरण के मरीजों के लिए पेनकिलर के रूप में करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर इसे सही मात्रा और तरीके से इंजेक्ट किया जाए, तो यह बिना किसी साइड इफेक्ट के उन नसों को ब्लॉक कर सकता है जो असहनीय दर्द का संकेत दिमाग तक पहुंचाती हैं।

क्या 24 घंटे चलता रहता है पानी में जहाजों का इंजन, यह हकीकत है अजीबो-गरीब

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर होर्मुज स्ट्रेट पर भी साफ देखा जा रहा है। कई जहाजों के फंसने की वजह से ईंधन की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसी बीच लोगों के बीच यह धारणा भी आम है कि जहाजों के इंजन पूरी यात्रा के दौरान लगातार चलते रहते हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। दरअसल, जहाजों के इंजन हर समय चालू नहीं रहते। जब कोई जहाज लंबे समय तक बंदरगाह पर खड़ा होता है, तो उसे आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं होती, इसलिए मुख्य इंजन बंद कर दिया जाता है। इसी तरह मेंटेनेंस और मरम्मत के दौरान, जब अंदरूनी हिस्सों की जांच और सर्विसिंग की जाती है, तब भी इंजन को पूरी तरह बंद रखना जरूरी होता है। इसके अलावा, ईंधन भरते समय सुरक्षा कारणों से भी इंजन को अक्सर बंद कर दिया जाता है। हालांकि मुख्य इंजन बंद कर दिया जाए, फिर भी जहाज पूरी तरह शांत नहीं होते। उनके सहायक इंजन लगभग लगातार चलते रहते हैं। ये जनरेटर जहाज की रोशनी, एयर कंडीशनिंग, नेविगेशन सिस्टम और संचार उपकरणों को बिजली सप्लाई करते हैं। इसी कारण, भले ही जहाज आगे न बढ़ रहा हो, वह पूरी तरह बंद नहीं माना जाता। गाड़ियों की तुलना में जहाजों के इंजन बेहद बड़े और जटिल होते हैं। इन्हें चालू करने के लिए कंप्रेस्ड एयर सिस्टम और खास तैयारी की जरूरत होती है, जिसमें कई बार घंटों लग जाते हैं। यही वजह है कि अगर जहाज को जल्द ही रवाना होना हो, तो ऑपरेटर इंजन को बंद करके दोबारा स्टार्ट करने के बजाय उसे चालू रखना ज्यादा बेहतर समझते हैं। बड़े समुद्री इंजन इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे लंबे समय तक लगातार काम कर सकें। उन्हें बार-बार बंद और चालू करने से उनके पुर्जों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और घिसाव बढ़ सकता है। यही कारण है कि कई बार जहाजों के इंजन जरूरत न होने पर भी चालू रखे जाते हैं। जब कोई जहाज खुले समुद्र में लंगर डालकर खड़ा होता है, तो उसका मुख्य इंजन पूरी तरह सक्रिय नहीं रहता, बल्कि स्टैंडबाय मोड में रखा जाता है। इससे जरूरत पड़ने पर चालक दल आसानी से और जल्दी इंजन को फिर से चालू कर सकता है।

पवन खेड़ा के घर पर पुलिस भेजने को लेकर बवाल

» जयराम रमेश भड़के, बोले- हिमंता परेशान और डरे हुए हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम पुलिस को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर भेजने को लेकर सियासी बवाल मच गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें परेशान, हताश और डरा हुआ बताया। यह घटना तब हुई जब असम पुलिस की एक टीम ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास का दौरा किया। पुलिस की यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल पासपोर्ट विवाद से संबंधित है, जो मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा द्वारा दर्ज कराई गई आपराधिक मानहानि की एफआईआर के बाद सामने आया है।

रमेश ने निजामुद्दीन पूर्व स्थित खेड़ा के घर के बाहर पुलिस अधिकारियों की तैनाती की निंदा की और इसे चुड़ैल का शिकार और दंभिक द्वारा राज्य मशीनरी का उपयोग करके विपक्ष की उन आवाजों को दबाने का प्रयास बताया जो कथित कुकर्मों को उजागर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जनहित में बुनियादी सवाल पूछने पर मेरे सहयोगी खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधिकारियों की पूरी फौज तैनात करना यह साबित करता है कि मुख्यमंत्री परेशान, हताश और भयभीत हैं। यह कानूनी प्रक्रिया नहीं बल्कि बदले की भावना से की गई कार्रवाई है, जिसमें एक तानाशाह विपक्ष की आवाज़ दबाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। जो लोग डराते-धमकाते हैं, वे असल में डरे हुए होते हैं और उनके पास छिपाने के लिए बहुत कुछ होता है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि मुख्यमंत्री को हार का सामना करना पड़ रहा है।

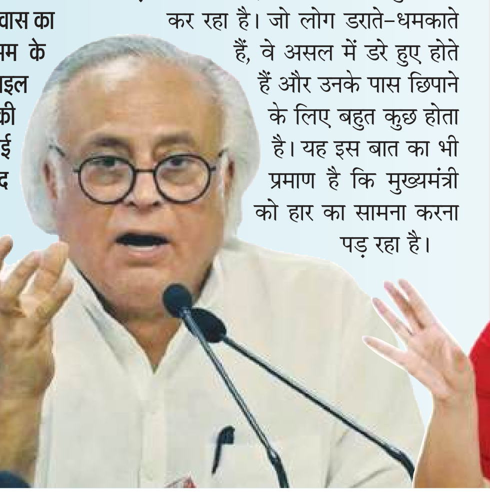

खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों का समाधान करें सीएम : सुप्रिया श्रीनेत

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने भी असम पुलिस की आलोचना करते हुए सरमा से आग्रह किया कि वे धमकियों और अपशब्दों का सहारा लेने के बजाय खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों का समाधान करें। उन्होंने कहा कि सरमा के खिलाफ लगाए गए आरोप गवाहों और सबूतों से समर्थित हैं और उनका उचित समाधान किया जाना चाहिए। यह विवाद दो दिन पहले खेरा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुयान सरमा के पास कई पासपोर्ट (भारतीय, यूएई और मिस्र) हैं, दुबई में उनकी कुछ संपत्तियां अज्ञात हैं और अमेरिका के व्योमिंग में उनकी एक कंपनी पंजीकृत है। सरमा परिवार ने इन आरोपों का खंडन करते हुए दावा किया कि खेरा द्वारा साझा किए गए दस्तावेज़ एआई द्वारा निर्मित मनगढ़ंत और छेड़छाड़ की गई तस्वीरें हैं, जिन्हें पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूहों के माध्यम से प्रसारित किया गया था।

असम में भाजपा के दावों से अलग है जमीनी हकीकत : सोरेन

» बोले- भाजपा के पास दावे करने के कई मापदंड हैं, हमारा मापदंड जनता की अदालत है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने असम में चल रहे राज्य चुनावों में मतदाताओं के फैसले पर विश्वास व्यक्त किया और एनडीए के लिए भाजपा के निर्णायक जीत के दावों को खारिज कर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए सोरेन ने कहा कि परिणाम जमीनी हकीकत पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि देखिए, मैंने चुनाव लड़ा है, इसलिए लोग निश्चित रूप से जमीनी स्तर पर मौजूद हैं। और इन सभी बातों का बेहतर अंदाजा आपको जमीनी स्तर से ही लग जाएगा कि परिणाम किस पक्ष में होगा, कैसा होगा। हमने जितना काम करना था, उतना कर लिया है।

उन्होंने एनडीए के लिए सीटों में बढ़ोतरी के भाजपा के अनुमानों को खारिज करते हुए पार्टी पर अनुमानों के लिए हेरफेर करने का आरोप लगाया। सोरेन ने कहा कि वोट चुराओ, वोटों में हेराफेरी करो, वोटों को प्रभावित करो, मतदाताओं को गुमराह करो उनके पास दावे करने के कई मापदंड हैं। हमारा मापदंड जनता की अदालत है। 2 अप्रैल को सोरेन ने असम की दोहरे इंजन वाली सरकार की आलोचना करते हुए चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों की दयनीय स्थिति पर सवाल उठाए। गोलाघाट में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने बुनियादी सुविधाओं के मामले में सरकार के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए पूछा कि हम यहां गांव-गांव गए। प्रधानमंत्री ने सभी को पक्के मकान देने की बात कही, लेकिन वास्तव में कितने लोगों को पक्के मकान मिले, चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों की क्या हालत थी? बिजली, पानी, सड़कें और अस्पताल किस हालत में थे और यहां दोहरे इंजन वाली सरकार थी।

राजधानी में फिर बेखौफ हुए अपराधी, पुलिस मौन

» निर्माणाधीन मकान में 14 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान में 13 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। शोर मचने पर स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मौके से पांच युवकों को घेर लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आशियाना के सेक्टर एम में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी घरों में काम करती है। मंगलवार शाम जब वह काम पर गई थी, तभी आरोपी ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। मकान से जब शोर-शराबा सुनाई दिया, तो मोहल्ले के लोग वहां जमा हो गए। भीड़ को देख आरोपी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन स्थानीय लोगों ने घेराबंदी कर पांचों को पकड़ लिया।

घटना की सूचना मिलते ही आशियाना पुलिस मौके पर पहुंचे और युवकों को भीड़ के चंगुल से निकालकर हिरासत में लिया। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर ने बताया कि 7 अप्रैल की रात 112 पर सूचना मिली थी कि एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म हुआ है। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मुख्य आरोपी को चिन्हित कर हिरासत में ले लिया है। पीड़िता के परिवार की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आशियाना थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी की हालत को देखते हुए उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस इस मामले में अन्य चार युवकों की भूमिका की भी जांच कर रही है कि वारदात में उनकी संलिप्तता कितनी थी।

पंजाब सरकार पर बढ़ा कर्ज, विपक्ष का प्रहार

» 4 लाख करोड़ के पार पहुंचा आंकड़ा, आप सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब की वित्तीय स्थिति को लेकर राज्य में एक बार फिर सियासत गरमा गई है। विपक्षी दलों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर 1,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण लेने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस व शिअद ने खोला सीएम मान के खिलाफ मोर्चा

विपक्ष का दावा है कि इस नए कर्ज के साथ पंजाब का कुल बकाया कर्ज अब 4 लाख करोड़ रुपये की खतरनाक सीमा को पार कर गया है। विपक्षी नेताओं ने बढ़ते कर्ज पर चिंता व्यक्त करते हुए दावा किया कि 1,500 करोड़ रुपये के नये ऋण से कुल

बकाया कर्ज चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।

राज्य पहले से ही 'काफी कर्ज' के बोझ तले दबा हुआ था : मजीठिया

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए उसकी आलोचना की और दावा किया कि यह नया कर्ज ऐसे समय में लिया गया है जब राज्य पहले से ही ''काफी कर्ज'' के बोझ तले दबा हुआ है। मजीठिया ने आप सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी पंजाब के ऋण को कम करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी और उसने राज्य पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं डालने का वादा किया था। मजीठिया ने कहा कि मौजूदा वित्तीय स्थिति ने राज्य को आर्थिक संकट की ओर धकेल दिया है।

पंजाब को वित्तीय आपातकाल की ओर धकेल रही है मान सरकार : रंधावा

कांग्रेस से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी इसे लेकर आप सरकार पर आरोप लगाया है। सिंह ने कहा, ''भगवंत मान नीत सरकार पंजाब को वित्तीय आपातकाल की ओर धकेल रही है। उन्होंने एक बयान में दावा किया कि राज्य में विकास कार्य ठप हो गए हैं और प्रति नागरिक कर्ज का बोझ बढ़कर 1.26 लाख रुपये से अधिक हो गया है। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''इस ऋण का एक बड़ा हिस्सा बकाया देनदारियों को चुकाने और मुफ्त बिजली और सब्सिडी के वित्तपोषण में इस्तेमाल किया जा रहा है। 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने के वादे को पूरा करने के लिए सरकार बिजली कंपनी को सालाना करोड़ों रुपये से अधिक की सब्सिडी दे रही है।'' रंधावा ने आरोप लगाया कि ऋण का उपयोग राष्ट्रीय स्तर के विज्ञापनों तथा मुख्यमंत्री की बार-बार निजी उड़ानों के लिए किया जा रहा है।

सीआरपीएफ कैंप में बिना अनुमति घुसे दो युवक पकड़े गये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ के बाद उनका चालान कर दिया है। सीआरपीएफ में तैनात उप कमांडेंट सौरव राजपूत की तहरीर के अनुसार, दोनों युवक बाइक से कैंप परिसर में प्रवेश कर गए थे। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उन्हें संदिग्ध रूप से घूमते देखा और रोककर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और गुमराह करने का प्रयास किया। सख्ती से पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम नईम निवासी ग्राम पटवाई और दूसरे ने भूरा निवासी ग्राम घोसीपुरा बताया। घटना को गंभीर मानते हुए सीआरपीएफ प्रशासन ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को तहरीर दी।

अपनी पहली जीत की तलाश में उतरेंगे गुजरात टाइटंस

» दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच आज, शुभमन गिल फिट, खेलेंगे मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। जीटी और डीसी के बीच यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गिल राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। यह मुकाबला जीटी छह रन से हार गई थी। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुदर्शन ने कहा, शुभमन को कोई दिक्कत नहीं है। वह पूरी तरह ठीक हैं। गुजरात अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी है। इस टीम को पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उसे राजस्थान रॉयल्स ने छह रन से हराया।

हालांकि, सुदर्शन ने कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों का मिला-जुला रूप है, ओपनिंग बल्लेबाजों और टॉप-3 बल्लेबाजों के तौर पर, अगर कोई बल्लेबाज ज्यादा देर तक खेलता है, तो यह टीम के लिए हमेशा एक अच्छी बात होती है। मुझे लगता है कि हमें अपने मिडिल ऑर्डर पर भरोसा है, वे जरूर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यह वही टीम है जिसके साथ पिछले साल खेला था। उन्होंने कहा, अभी सिर्फ दो मैच खेले गए हैं। मेरा और पूरी टीम का मानना है कि हमारा मिडिल ऑर्डर जरूर शानदार प्रदर्शन करेगा और हम मैच जीतेंगे। आईपीएल एक ऐसा टूर्नामेंट है, जहां दो-तीन दिनों के अंदर लगातार मैच खेलने होते हैं, इसलिए इस टूर्नामेंट में मोमेंटम बनाए रखना सबसे जरूरी चीजों में से एक है। पिछले दो मुकाबलों में हार पर सुदर्शन ने कहा, हां, हम इन दो मुकाबलों पर नजर डालते हैं और हमने इनसे बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि हम आगे भी ऐसा ही करने की कोशिश करेंगे, ताकि हमें अपनी पहली जीत मिल सके और हम अपनी जीत की लय वापस हासिल कर सकें।

मुंबई को राजस्थान ने 27 रनों से हराया

मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच बारिश की वजह से मैच मात्र 11-11 ओवरों का हुआ। आरआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बता दिया कि एमआई उनके सामने कहीं नहीं है। टॉस गंवाने के बाद आरआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल के 32 गेंदों पर नाबाद 77 और वैभव सूर्यवंशी के 14 गेंदों पर 39 रन की मदद से तीन विकेट पर 150 रन बनाए। एमआई नौ विकेट पर 123 रन बना सकी और मैच 27 रन से हार गई। आईपीएल 2026 में एमआई ने अब तक तीन मैच खेले हैं। इसमें एकमात्र जीत उन्हें केकेआर के खिलाफ मिली है। तीन मैचों में दो हार और एक जीत के साथ एमआई अंकतालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, राजस्थान ने लगातार तीन जीत और छह अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। उसका नेट रन रेट +2.403 है।

मोदी नफरत की राजनीति पर फलते-फूलते हैं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इस बार राज्य में कल्याण, रोजगार और सुधार का मॉडल पेश करते हुए खुद को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा किया है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह ''समुदायों के बीच नफरत और विभाजन की राजनीति पर फलते-फूलते हैं'' और 'धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बंगाल में सत्ता हासिल करना चाहते हैं।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए खरगे ने कहा कि मतदाताओं के पास तीन विकल्प हैं-तृणमूल कांग्रेस का भ्रष्टाचार आधारित प्रशासन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति तथा कांग्रेस का कल्याण, रोजगार और सुधार केंद्रित मॉडल। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी समुदायों के बीच नफरत और विभाजन को बढ़ावा देते हैं। वह ध्रुवीकरण के आधार पर सत्ता हथियाना चाहते हैं। लोगों को अल्पकालिक राजनीति और दीर्घकालिक प्रगति में से किसी एक को चुनना होगा।'' खरगे ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पश्चिम बंगाल में 15 साल सत्ता में रहने के बावजूद राज्य में विकासात्मक बदलाव लाने में विफल रही। उन्होंने कहा कि (तृणमूल शासन में) न तो राज्य के पास स्थिति को बदलने की कोई योजना है और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खोखली बातों के अलावा इस बारे में कुछ किया है।

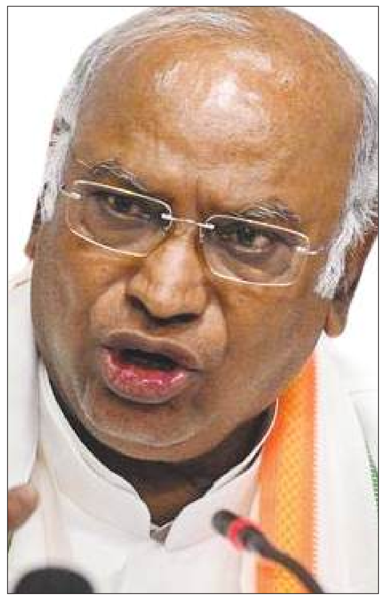

भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने और राष्ट्रगान को मिटाने की कोशिश कर रही : जयराम

राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने बीरेन नाग के निर्देशन में बनी 1962 में प्रदर्शित फिल्म बीस साल बाद का जिक्र किया। रमेश ने कहा, ''फिल्म बीस साल बाद की तरह हम बंगाल में 2006 के बाद 26 में अकेले चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमारी पार्टी, हमारे कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता के लिए एक नयी ऊर्जा का स्रोत है। कांग्रेस को यहां नयी ऊर्जा मिली है।'' तीन महीने पहले संसद में वंदे मातरम पर हुई बहस का जिक्र करते हुए रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने और राष्ट्रगान को मिटाने की कोशिश कर रही है। रमेश ने कहा,''भाजपा का इरादा बंकिम बाबू के कंधों पर बंदूक रखकर टैगोर को निशाना बनाना था। सच्चाई यह है कि 1937 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में

गांधी, नेहरू, बोस और कांग्रेस के अन्य शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में टैगोर ने राष्ट्रगान को अपनाने के तरीके पर निर्णय लेने में मदद की थी। यह भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नया रूप है।

बंगाल को अब विकास का मॉडल चाहिए

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा बंगाल की अर्थव्यवस्था की बात कभी नहीं करती। वह सिर्फ ध्रुवीकरण की बात करती है, जिसके इर्द-गिर्द उसकी राजनीति घूमती है। वह रोजगार सृजन, उद्योगों के पुनरुद्धार या युवाओं के लिए किसी भी तरह की योजना पर कोई स्पष्टता नहीं देती। वह अलगाव, नफरत और डर के फॉर्मूले पर टिकी है। उन्होंने भाजपा पर धमकी की राजनीति करने का आरोप लगाया। खरगे ने महिलाओं को दो हजार रुपये का मासिक अनुदान और किसानों को 15000 रुपये का वार्षिक अनुदान देने का वादा किया। उन्होंने राज्य के प्रत्येक परिवार के लिए 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, युवाओं के लिए रोजगार और सभी जिलों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की बात कही।

खरगे के अपमान पर सियासी संग्राम

प्रियंका व राहुल गांधी ने पीएम मोदी को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस्तेमाल की गई भाषा बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्ट करने को कहा कि क्या वे इस अपमान का समर्थन करते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सरमा ने खरगे की इस मांग के जवाब में उनकी आलोचना की कि बुढ़ापे के कारण वे पागल की तरह बोल रहे हैं। गांधी ने हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ इस्तेमाल की गई अपमानजनक और निंदनीय भाषा बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि खरगे देश के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं और न केवल कांग्रेस बल्कि दलितों और हाशिए पर पड़े समुदायों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका अपमान करके भाजपा के मुख्यमंत्री ने देशभर के करोड़ों लोगों का अपमान किया है।

तीन राज्यों में थमा चुनावी शोर

» 9 को अब जनता करेगी अपना फैसला

» असम, केरल और पुडुचेरी वोटिंग को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार आज शाम समाप्त खत्म हो गया। असम में 126, केरल में 140 और पुडुचेरी में 30 सीटों पर मतदान गुरुवार को एक ही चरण में होगा। कल, भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के बारपेटा, होजाई और डिब्रूगढ़ में जनसभाएं कीं। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी।

उन्होंने दोहराया कि राज्य के प्रत्येक जिले और क्षेत्र का विकास उनकी पार्टी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में असम में शांति और समृद्धि रही है। राज्य में सत्ताधारी पार्टी ने दावा किया कि उसने चाय बागान में काम करने वालों को ज़मीन के मालिकाना हक दिए, महिलाओं के लिए सशक्तीकरण योजनाएं लाई गईं, लड़कियों को वित्तीय मदद दी, और बाल विवाह में 84 प्रतिशत की कमी लाई। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि राज्य में बहुविवाह को रोकने के लिए समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। विपक्षी कांग्रेस और उसके गठबंधन के साथियों ने भाजपा पर नफ़रत की राजनीति करने, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने, खासकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके परिवार के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के, और गायक जुबिन गर्ग को न्याय दिलाने के लिए गंभीर न होने का आरोप लगाया है। पुडुचेरी में चुनाव प्रचार की गहमागहमी छाई रही, जहां प्रमुख नेताओं ने केंद्र शासित प्रदेश भर में रैलियों और जनसभाओं को संबोधित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और डीएमके नेता तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन दिन भर चले जोरदार चुनाव प्रचार में अग्रणी रहे। केरलम में भी चुनाव प्रचार उतना ही जीवंत रहा, जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य भर में सभाएं और रोड शो आयोजित किए। चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए वोटों की गिनती अगले महीने की 4 तारीख को होगी।

हफ्तेभर में बिहार में नई सरकार का गठन

» नीतीश कुमार सीएम पद से 14 को इस्तीफा देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार का गठन एक हफ्ते में हो सकता है। इससे पूर्व 10अप्रैल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा की शपथ लेंगे। 14 अप्रैल को वे इस्तीफा देंगे और 15 अप्रैल को नई सरकार का गठन हो सकता है।

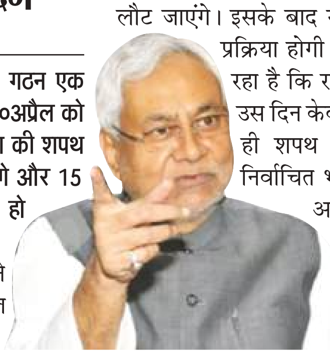

मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बताया कि नीतीश कुमार 9 अप्रैल को दिल्ली के लिए रवाना होंगे। अगले दिन राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद 11 अप्रैल को वे पटना लौट जाएंगे। इसके बाद सरकार गठन की प्रक्रिया होगी। इधर बताया जा रहा है कि राज्यसभा के लिए उस दिन केवल नीतीश कुमार ही शपथ लेंगे। बिहार से निर्वाचित भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा का शपथ 16 अप्रैल को होगा। 11 अप्रैल को नीतीश कुमार के पटना लौटने पर एनडीए विधानमंडल दल की बैठक की संभावना भी है। इसमें वे पद छोड़ने की जानकारी देंगे। इसके बाद सीएम पद से इस्तीफा का पत्र राज्यपाल को सौंपेंगे। इस बीच बुधवार 8 अप्रैल को नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अंतिम बैठक की चर्चा भी चल रही है। इसमें अहम फैसले लिए जाने की उम्मीद है। नीतीश कुमार पूर्व में ही विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल और भारत निर्वाचन आयोग के बीच बुधवार को हुई बैठक तनावपूर्ण हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक की खबरें आईं। सूत्रों के अनुसार, चर्चा जल्द ही गरमागरम बहस में बदल गई।

सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कथित तौर पर बैठक के दौरान चिल्लाकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त को जवाब न देने के लिए कहा। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने बार-बार पत्र भेजने के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया। पार्टी नेताओं ने कहा कि उन्होंने चुनाव प्रक्रिया से संबंधित नौ पत्र भेजे और छह उदाहरण दिए, लेकिन उन्हें कोई उत्तर नहीं मिला।सूत्रों के अनुसार, टीएमसी नेताओं ने कहा कि हम इन मुद्दों को उठाने के लिए वहां गए थे, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आयोग पर अपनी चिंताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। ओ ब्रायन ने कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि बैठक के सात मिनट के भीतर ही मुख्य चुनाव आयुक्त ने हमसे क्या कहा, चले जाओ।

ईरान में सीजफायर के बाद भारत ने जारी की एडवाइजरी

» नागरिकों को जल्द से जल्द ईरान छोड़ने की सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान। पश्चिम एशिया में एक महीने से भी ज्यादा समय से जारी युद्ध के बाद ईरान और अमेरिका ने सीजफायर की घोषणा की है। इसी बीच तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने आज यानी आठ अप्रैल को एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है।

दूतावास ने हालातों को देखते हुए वहां मौजूद भारतीय नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी गई है। यह सूचना सात अप्रैल को जारी हुई पिछली एडवाइजरी, जिसमें लोगों को सतर्क और सुरक्षित रहने की सलाह दी गई थी उसी का ही अगला हिस्सा है। दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक दूतावास के अधिकारियों के साथ संपर्क करें और उनके बताए सुरक्षित रास्तों से ही ईरान से बाहर निकलें। दूतावास ने सख्त हिदायत दी है कि कोई भी भारतीय नागरिक बिना सलाह लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर जाने की कोशिश न करे। किसी भी सीमा पर जाने से पहले दूतावास से तालमेल बिठाना अनिवार्य है। भारतीय नागरिकों की मदद के लिए दूतावास ने चार इमरजेंसी हेलपलाइन नंबर जारी किए हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा